

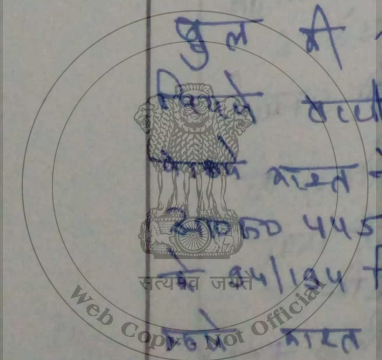
अहकाम जो जारी हुए

FORM NO. III  
**फर्द अहकाम**  
 नियम (26)

APP-A  
 CRM-I

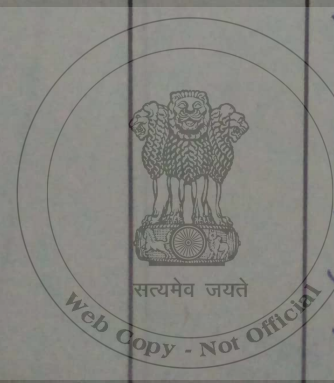
दालत \_\_\_\_\_ मुकाम \_\_\_\_\_  
 बनाम \_\_\_\_\_  
 मुकदमा नं. 149 सन 2015

ख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
5.18	<p>पत्रावली शपथ लोड अगलत अभियान न्याय आदेश द्वार 2018 विधिर बुल में सेवा हुई। शपथ में भागलरुद तमार है कि अगल 394, 452 457, 458, 459, 465, 466, 475 कुल मित 8 कुल रकबा 1.99 है. जो सर्वी में जोहना के नाम पर हरि मार तार्वी म 20 वर्षों के निरन्तर कमत कर रहा है। शपथ कि हरि फ 80 सर्वीज कुल मी अगल 444, 444, 450, 460, 462 463, 464, 510, 511, 512, 515 कुल मित 11 कुल रकबा 2.79 है. पिन्ने सर्वीज 42 दिना मार निरन्तर कमत कर रहा है। मीज कुल फ 80 कुल मी अगल 1641/445 रकबा 1.32 है. कमत है जो मुख सर्वी मी 16 दिना विहित मार संपुक्त कर के कमत करत है। मीज कुल फ 80 कुल मी अगल 481 रकबा 0.04 है. पिन्ने सर्वी मी 16 दिना मार संपुक्त कमत करत है, व मीज कुल मी अगल 445 रकबा 1.94 है मी सर्वी के 11/124 दिना विहित मार संपुक्त करत में है। उक्त मीज</p>	



सहायक जज (सिविल)  
 सहायक जज (सिविल) एवं  
 सहायक जज (सिविल) एवं  
 सहायक जज (सिविल) एवं

आशुप्रीमात है तथा अन्वर्षी संख्या 1  
 ले असागर 2 तहका अनुक्रम तहका भी  
 पला आ रहा है तथा यह कि हुकम कल  
 भी गोहमाता यन्त्रा कर के अपरे  
 प्रीकनकाल मे भी स्वमान के पन्ने के सामने  
 एवं स्वयं लामौलाह गेरे के तहका मुस  
 प्राची को लगभग 20 वर्ष पूर्व जोह रखा  
 लिपा था तथा उसी समय ले गोहमाता  
 भी लेवा, चाररी भया पोषण आमापित  
 सिरी खिज के अनुक्रम खर्च करता रहा है  
 तथा हरन तहकी को मौलम लेख्या 2  
 मे परिगति आशुप्रीमात का 1/2 हिस्से का  
 तादतकार पोषित फरमाया जाना आवश्यक  
 है। अतः अन्वर्षी के अन्वर्षी गोहमाता  
 के लेखान कर ही है अतः अन्वर्षी निशेषणा  
 के पाबन्द करमाण परे। अन्वर्षी मौलम  
 संख्या उके 6 तह मे परिगति आशुप्रीमात  
 मे प्राची अनुक्रम कर के तादतकार है  
 तथा अन्वर्षी का विभाजन कराना  
 चाहते है। हमने राजावली का  
 अवलोकन किया। तहकी भी मौलम  
 संख्या उके 6 तह मे परिगति आशुप्रीमात  
 मे अशुवत रिह पिता जयस्युतिह  
 चाप के रूप रेखा है व तहकी अप  
 मौलम लेख्या 2 मे परिगति आशुप्रीमात  
 का तह पाने जैजा की प्रमाण प्रामित  
 पडी किया है। मौलम लेख्या उके 6  
 तह अनुक्रम आशुप्रीमात मे अन्वर्षी  
 निशेषणा पायी कर सहजातेकर को  
 उपयोग अशुवत के संचित पडी किया  
 जा सकता है। अतः प्रथम इच्छिया  
 मायला प्राची के पत्र मे लिख गयी



हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामील  
में जारी हुए

होता है । प्रार्थना पत्र की स्तर पर  
स्वारीज क्रिया पाता है । पत्रावली फौजदारी  
मुफ्तार होकर जम्मा के रूप में आये  
मुनापा गया ।

(अभिषेक गोयल)  
सहायक कलेक्टर एवं  
सम्बन्ध अधिकारी, नूपाकरा  
जिला-बिक्रान्दपुर (राज.)

